BA (6th SEM) GEOGRAPHY
(2024-25)
FIELD WORK

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

21/03/2025 Field Survey

As a part of B.A. 6th Sem. (Geography) syllabus, the students were taken to Saha market on 21/03/2025 for socio-economic field survey. The students were taken under the supervision of Mr. Virender and Dr. Ganeshwari. The students collected data regarding socio-economic characteristics of the shops in the market.

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

To
The Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

Date: 20th March 2025

Subject: Permission for conducting socio-economic field survey of B.A. Geography 6th Semester

Respected Madam,
Kindly grant permission to the undersigned faculty in-charges to take students of B.A. 6th Semester (Geography) to visit Saha Market on 21st March 2025 for conducting socio-economic field survey as part of their syllabus.

Yours faithfully

Dr. Ganeshwari
HoD, Department of Geography

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

72

Page No.
Date : / /201

RAJIV GANDHI GOVT. COLLEGE, SAHA (AMBALA)

Socio-Economic Field Survey (21st March 2025)

Session: 2024-25

Sr. No:	Name	Class	Roll No:	Signature
1.	Aanchal	B.A.III	2004	Aanchal
2.	Dipanshika	B.A.III	2040	Dipanshika
3.	Simran.	B.A.III	2070	Simran
4.	Payal	B.A.III	2176	Payal
5.	kajal Rani	B.A.III	2187	kajal Rani
6.	Palak Saini	B.A.III	2121	Palak Saini
7.	Vandana Rani	B.A.III	2243	Vandana Rani
8.	Anu Devi	B.A.III	2157	Anu Devi
9.	Meena	B.A.III	2207	Meena.
10.	Aarti	B.A.III	2063	Aarti
11.	Rajni	B.A.III	2229	Rajni
12.	Simran Dhiman	B.A.III	2163	Simran Dhiman
13.	Payal	B.A.III	2106	Payal
14.	Priyanka	B.A.III	2168	Priyanka
15.	Gunjan	B.A.III	2170	Gunjan
16.	Aarti	B.A.III	2055	Aarti
17.	Palak	B.A.III	2010	Palak
18.	Khushi	B.A.III	2038	Khushi
19.	Aarti	B.A.III	2059	Aarti
20.	Payal	B.A.III	2024	Payal
21.	Anjali Devi	B.A.III	2120	Anjali Devi
22.	Khushbhu	B.A.III	2105	Khusubu
23.	Anjali	B.A.III	2239	Anjali
24.	Palvi	B.A.III	2082	Palvi
25.	Madhu	B.A.III	2041	Madhu
26.	Khushi	B.A.III	2002	Khushi
27.	Simran	B.A.III	2235	Simran
28.	Palak Chauhan	B.A.III	2127	Palak
29.	Simran	B.A.III	2025	Simran

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

Socio-Economic Field Survey (21st March 2025)

Session: 2024-25

Sr. No:	Name	Class	Roll No:	Signature
30.	Bhawna	B.A 3rd	2076	B
31.	Jaspreet Kaur	B.A 3rd	2034	Jaspreet Kaur
32.	Amisha	3rd	2203	Amisha
33.	Priyanka	3rd	2128	Priyanka
34.	Shiwani Devi	3rd	2138	Shiwani Devi
35.	Sachin	3rd	2135	Sachin
36.	Mehak	3rd	2051	Mehak
37.	Mehak	3rd	2045	Mehak
38.	Himani	3rd	2154	Himani
39.	Sanjna	3rd	2020	Sanjna
40.	Tinku Kumar	3rd	2186	Tinku Kumar
41.				
42.				

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

DATE : /
PAGE No

सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण

गाँव साहा

Submitted by :
Name - Rajni
Roll No : 1220031002229
Class : B.A 6th Sem

Submitted to :
Dr. Gyaneshwari

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण

गाँव साहा

भूमिका :

बाजार, मंडी, हाट इत्यादि व्यापारिक केंद्रों के विभिन्न रूप हैं। जहाँ वस्तुओं का क्रय-विक्रय होता है। देश मे जनसंख्या बढ़ने, आर्थिक स्तर में सुधार आने तथा प्रबंधन की नवीन शैलियों के आने से पिछले कुछ वर्षों में बाजारों की संख्या, उनके स्वरूप और उनके द्वारा प्रदत्त सेवाओं में मात्रात्मक व गुणात्मक परिवर्तन आए हैं। भारतीय समाज मे भिन्न-२ आर्थिक और सामाजिक स्तर की दुकानें हैं। कृषि उत्पादकता में मौसमी परिवर्तन के साथ कुछ बाजारों में व्यापार में भी बदलाव आता है। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य बाजार के बारे में जानकारी इकट्ठा करना है।

किसी बाजार का विशेषीकरण उस क्षेत्र के आर्थिक स्तर द्वारा निर्धारित होता है। बड़े शहरों में अनेक बाजार होते हैं जैसे मुंबई, कोलकाता, दिल्ली इत्यादि में और छोटे शहरों में एक ही बाजार होते हैं बड़े शहरों में वस्तु विशेष से जुड़े विशेषीकृत बाजार होते हैं जैसे दिल्ली में नई सड़क पुस्तकों के लिए व भागीरथ प्लेस बिजली के सामान के लिए प्रसिद्ध है। इसी प्रकार भारतीय नगरों में बर्तन बाजार, गुड़, आटो मार्केट इत्यादि व्यापारिक केंद्रों के अनेक रूप पाए जाते हैं।

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

DATE: / 20
PAGE No

आंकड़े एवं कार्यविधि :

यह सर्वेक्षण प्राथमिक आकड़ों पर आधारित है इसके लिए साहा बाजार से संबंधित आंकड़ों के संबंध में सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए साहा गाँव के बाजार के लिए 80 दुकानों का सर्वेक्षण किया जिनके द्वारा बाजार से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई जैसे बिकने वाली वस्तुएँ, दुकान का प्रकार, किराया, मासिक आमदनी, दुकानदार का शैक्षिक स्तर की जानकारी इत्यादि।

परिणाम एवं चर्चा :

1. दुकानदार की श्रेणी :

इस सर्वेक्षण के दौरान हमें सबसे अधिक SC जाति के लोग (29) मिले उसके बाद दूसरे Gen (24) की संख्या थी। BC जाति के लोग तीसरे नंबर पर थे। सबसे कम (21) थी। इस सर्वेक्षण में कुल 80 दुकानों का Other सर्वे किया गया।

SC	BC	Gen	Other	Total
29	21	24	6	80

2. दुकानदार की शैक्षिक योग्यता :

इस सर्वेक्षण की दुकानदारों की शैक्षिक योग्यता की जानकारी मिली

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

इसमें सबसे ज्यादा 12th (28) पास व्यक्ति थी केवल 11 लोगों ने Post Graduation की है।

Up to class 10th	12th	Graduate	Post graduate 10m	Total
16	28	25	11	80

3 दुकान के प्रकार :- इस सर्वेक्षण में हमने विभिन्न प्रकार की दुकानों का सर्वे किया जिनमें से मोबाइल फोन (8) परचून (14) इलैक्ट्रोनिक (1), कॉस्मैटिक (7) ज्वैलर (2) कपड़े (16) कम्प्यूटर (5), जूते (3) बेकरी (1) स्टेशनारी (1) आदि थी। सबसे ज्यादा परचून, कपड़े की दुकानें पाई गई।

4 दुकान का स्वामित्व :- इस सर्वेक्षण से हमें जानकारी मिली कि 43 लोगों की दुकानें अपनी थी 34 लोगों ने किराये पर ली तथा केवल 3 दुकानें ही लीज पर थी।

किराया	लीज	अपनी	Total
34	3	43	80

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

DATE: / 20
PAGE No

5 दुकान के किराये की राशि :
साहा बाजार के सबसे ज्यादा दुकानें (18) -3000-6000 तक का किराया देती है तथा केवल 2 दुकान जो 12000 से ऊपर किराया देती है 7 दुकानें 3000 से कम किराया देती है 9000-12000 तक का किराया 2 दुकाने देती है।

Below 3000	3000-6000	6000-9000	9000-12000	above-12000	Total
7	18	5	2	2	34

6 ग्राहकों की संख्या :
सबसे ज्यादा ग्राहक Above 40 25 दुकानों में आते है, 30-40 ग्राहक 4 दुकानों में ही आते है 22 दुकानों में ग्राहकों की संख्या 10-20 है तथा सबसे कम ग्राहक 15 दुकानों में आते है।

Below	10-20	20-30	30-40	above-40	Total
13	22	15	4	25	80

7 प्रतिदिन औसत - कमाई :
इस सर्वेक्षण में जानकारी मिली की दुकानदारों की प्रतिदिन की औसत कमाई क्या है। सबसे अधिक 16 दुकानदारों की कमाई 10000 से कम है। 20000 से ज्यादा कमाई वाली दुकाने केवल 12 ही है।

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

DATE: / 20
PAGE No

बाकी 7 दुकानों की कमाई 10000 - 20000 के बीच है।

Below-10000	10000-20000	above-20000	Total
61	7	12	80

8 अन्य कार्य :
इस सर्वेक्षण से यह जानकारी प्राप्त हुई कि 67 दुकानदारों का रोजगार का साधन दुकान ही है व 13 दुकानदारों ने दूसरा व्यवसाय भी शुरू किया हुआ है।

हाँ	नहीं	Total
13	67	80

9 रोजगार से सन्तुष्ट :
साहा के दुकानदारों में दुकानदार हैं अपने व्यवसाय से सन्तुष्ट हैं 71 केवल 9 दुकानदारों ने असन्तुष्टि जाहिर की।

10 कारण :
साहा में दुकान लगाने का सबसे बड़ा कारण दुकानदारों का यह था कि यह उनके नजदीक पड़ता है। 48 लोगों का यह पैतृक गाँव है 32 लोग आस पास के इलाके से हैं। अधिकतर लोग यहां पूंजी के अभाव में डटे हुए हैं। कुल 80 दुकानों में से किसी को भी निजी कारण नहीं बताया गया।

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)

DATE : / 20
PAGE No

निष्कर्ष : अंत इस सर्वेक्षण से पता चला कि भारत में भिन्न -2 आर्थिक व सामाजिक स्तर की दुकानें हैं। इस सर्वेक्षण के दौरान साहा बाजार में बिकने वाली वस्तुओं, दुकान की आयु, दुकानदारों का शैक्षिक स्तर की जानकारी इत्यादि प्राप्त है। यह एक मुख्य औद्योगिक क्षेत्र है यह सर्वेक्षण प्रत्यात्मक आकड़ों पर आधारित है। इसमें 80 गांवों का सर्वेक्षण किया गया। इसमें SC (29) जाति के लोग अधिक मिले। दुकानदारों की शैक्षिक योग्यता (28) 12th पास पाई गई। जिसमें 43 लोगों की दुकानें अपनी थी। दुकानदारों की प्रतिदिन की औसत कमाई 10000 से कम है इस सर्वेक्षण में यह जानकारी प्राप्त हुई 67 लोगों का रोजगार का साधन दुकान ही है। 71 दुकानदार व्यवसाय से सन्तुष्ट था। साहा में दुकान का सबसे बड़ा कारण यह था कि यह नजदीक पड़ता है। यह सारी जानकारी सर्वेक्षण से प्राप्त हुई।

Principal
Rajiv Gandhi Govt. College
Saha (Ambala)